For further Details / Enquiry please contact:

Dr. A.K. Pandey
Head
Extension Division
Forest Research Institute, PO- New Forest, Dehradun-248006

Phone: 0135 222 4255, 0135 2756865(O)
Email: headext@icfre.org, akpandey60@gmail.com
Website: www.fri.icfre.gov.in

Design and layout: Amol K. Raut-FRI

Kisan Mela 2020

20 – 21 March 2020

Forest Research Institute

(Indian council of Forestry Research and Education)
P. O. New Forest, Dehradun-248006

An Exhibition acquainting with New Technologies New Resources and New Opportunities

Kisan Mela 2020

About the Institute

Forest Research Institute (FRI), Dehradun has its roots in the erstwhile Imperial Forest Research Institute established in 1906 to organize and lead forestry research in the country. Its history is synonymous with the evolution and development of scientific forestry not only in India but in the entire Indian subcontinent. The institute also administered training to forest officers and forest rangers in the country and after independence it was aptly named as Forest Research Institute and Colleges. In 1988, FRI and its research centers were brought under the administrative umbrella of Indian Council of Forestry Research & Education (ICFRE) under the Ministry of Environment, Forests and Climate Change, Government of India. The Institute set in sylvan surroundings of Doon Valley and has a campus spread over about 500 hectares. The main building completed in 1929 is an impressive edifice of the Greco Roman and Oriental architecture having a plinth area of 2.5 hectares, with the outer Himalayas forming its backdrop.

About Kisan Mela-2020

The Kisan Mela is an important event to create awareness about new forestry based technologies and farmer friendly research developed for enhancing the productivity and income of all the stakeholders. Such event is an opportunity to spread knowledge on forestry research to farmers, State Forest Departments, representatives of Wood Based Industries, Agro Based Industries, students, NGOs and SHGs and other stakeholders. The Mela will provide a common platform to all stakeholders to share their knowledge on forestry and find solutions for their forestry related issues. A Kisan Gosthi will also be organized during the mela, where queries raised by the farmers and other stakeholders will be answered by the subject experts. Besides, an exhibition will also be organized for showcasing of technologies and products. Forestry based products will also be available for display and sale on stalls.

MAIN ATTRACTIONS

1) **Demonstration of different practices and technologies developed by ICFRE institutes**
2) **Distribution and sale of improved forest plant varieties – Melia, Eucalyptus, Poplar, Shisham etc.**
3) **Demonstration and sale of forest and bamboo products**
4) **Demonstration and sale of value added products made by progressive farmers, SHGs and NGOs**
5) **Livelihood improvement through agroforestry practices**
6) **Demonstration of Non-Wood Forest Products including medicinal plants**
7) **Demonstration of cultivation techniques of edible and medicinal mushrooms**
8) **Solar kiln for wood seasoning**
9) **Bio pesticides and bio-fertilizers**
10) **Eco friendly wood preservative-ZiBOC**
11) **Demonstration of Natural dyes from plant biomass**
12) **Film shows**
13) **Kisan Gosthi**
14) **Distribution of forestry literature**

Exhibition stalls

50 to 60 numbers of stall of size 3m x 3m equipped with 2 chairs, 1 counter of 2ft x 5ft & Electricity connection with one socket will be made available in exhibition. Stalls will be allotted on "first come first serve" basis considering the limited availability of stalls.

Venue

Kisan Mela-2020 will be organized on 20 - 21 March, 2020 at Forest Research Institute, Dehradun, Uttarakhand.

How to reach?

Dehradun is well connected by Railway, Roadways and Air. FRI is 7 km from Railway station, 9 Km. from ISBT bus stand and 34 km from the Jolly grant airport. The Clock tower is 7 km from the institute. City buses, taxis, local autos (Vikrams) are available to take you directly to the main gate of the FRI from all the places.

Weather

Dehradun city is known for pleasant climate in March. Dehradun city has average high-temperature 26°C and the average low-temperature as 12°C with 57% average humidity.

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

डॉ. ए.के. पांडे
प्रमुख
विस्तार प्रभाग
वन अनुसंधान संस्थान, डाकघर – न्यू फॉरेस्ट, देहरादून-248006

फोनः 0135 222 4255, 0135 2756865(O)
ई–मेलः headext@icfre.org, akpandey60@gmail.com
वेबसाईटः www.fri.icfre.gov.in

Design and layout: Amol K. Raut- FRI

किसान मेला 2020

20 – 21 मार्च 2020

वन अनुसंधान संस्थान
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्)
देहरादून

नई तकनीक,
नए संसाधनों,
और नए अवसरों
से परिचित
कराती प्रदर्शनी

किसान मेला 2020

वन अनुसंधान संस्थान

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून की स्थापना सन 1906 में इंपीरियल फ़ॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट के रूप में की गई थी। यह संस्थान वानिकी अनुसंधान के क्षेत्र में देश का एक अग्रणी संस्थान है और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्तशासी परिषद् भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद के अधीन काम करता है। संस्थान का उद्देश्य पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली और केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ आदि को वन उत्पादकता, जैव विविधता संरक्षण और वन उत्पादों के उपयोग के क्षेत्र में अनुसंधान सहायता प्रदान करना है। इसके अतिरिक्त, संस्थान देशभर में वानिकी से संबन्धित कई विशिष्ट क्षेत्रों में अनुसंधान और परामर्श परियोजनाएं चलाता है। यह संस्थान सम विश्वविद्यालय के रूप में भी काम कर रहा है जिसमे चार स्नातोकोत्तर डिग्री कोर्स एवं वानिकी से संबंधित विषयों में पीएच.डी. डिग्रियां प्रदान करता हैं।

किसान मेला –2020

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा आयोजित किसान मेला– 2020 का मुख्य उद्देश्य वानिकी क्षेत्र में हो रहे नवीनतम अनुसंधान के परिणामों एवं विकसित प्रौद्योगिकियों को किसानों एवं अन्य हितधारकों तक पहुँचाना है। यह मेला किसानों, राज्य वन विभागों, लकड़ी आधारित उद्योगों के प्रतिनिधियों, कृषि आधारित उद्योगों, छात्रों, गैर सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों एवं अन्य हितधारकों को अपनी विभिन्न समस्याओं के निराकरण हेतु एक साझा मंच प्रदान करेगा। साथ ही मेले में विभिन्न हितधारकों को अपने विचारों को प्रकट करने एवं तकनीकी जानकारियों से अवगत होने का अवसर मिलेगा। मेले में परिषद् के विभिन्न अनुसंधान संस्थानों, निजी संस्थानों एवं विभिन्न स्वयं सहायता समूहों द्वारा विकसित तकनीकों, उत्पादों एवं उपकरणों का भी प्रदर्शन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त किसानों एवं अन्य संस्थाओं द्वारा निर्मित विभिन्न उत्पाद प्रदर्शन एवं विक्री हेतु भी उपलब्ध होंगे। यह मेला वानिकी क्षेत्र की उत्पादकता एवं किसानों की आय बढ़ाने के साथ रोजगार के नए अवसर तलाशने में सहायक सिद्ध होगा।

मुख्य आकर्षण

1. भा.वा.अ.शि.प. के विभिन्न संस्थानों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन
2. विभिन्न वानिकी प्रजातियों के उन्नत किस्मों के बीजों एवं पौधों का वितरण एवं बिक्री (मीलिया, नीलगिरी/युकेलिप्ट्स, शीशम, पॉपलर)
3. वानिकी उत्पादों, जैव उर्वरकों का प्रदर्शन एवं बिक्री
4. नव प्रवर्तक किसानों एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा स्वनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन एवं बिक्री
5. कृषिवानिकी पद्धतियों द्वारा आजीविका सुधार
6. अकाष्ठ वन उत्पाद एवं औषधीय पौधों का प्रदर्शन
7. खाद्य एवं औषधीय मशरूम की खेती की तकनीक का प्रदर्शन
8. लकड़ी सुखाने के लिए संशोधित सौर भट्टी
9. जैविक रोग एवं कीट नाशक
10. जीबोक – नुकसान रहित लकड़ी परिरक्षक
11. प्राकृतिक रंजक (डाई) निर्माण प्रौद्योगिकी
12. फिल्म प्रदर्शन
13. किसान गोष्ठी
14. वानिकी साहित्य वितरण

स्टॉल

किसान मेला–2020 में एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें 3 x 3 मीटर आकार के लगभग 50–60 स्टॉल स्थापित किए जायेंगे। प्रत्येक स्टॉल में दो कुर्सियां, 2′ x 5′ का एक काउन्टर एवं बिजली का कनेक्सन उपलब्ध कराया जाएगा। स्टॉल सीमित होने के कारण स्टॉल आवंटन ''पहले आओ पहले पाओ'' के आधार पर किया जाएगा।

आयोजन स्थल

किसान मेला– 2020 का आयोजन 20 से 21 मार्च, 2020 को वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के परिसर में किया जाएगा।

कैसे पहुंचा जाए

देहरादून रेलमार्ग, सड़क मार्ग और वायु मार्ग द्वारा अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। संस्थान रेलवे स्टेशन से 7 किमी, आईएसबीटी बस अड्डे से 9 कि.मी. और जोली ग्रांट हवाई अड्डे से लगभग 34 किमी की दूरी पर स्थित है। घंटाघर से संस्थान की दूरी 7 किमी है। सिटी बसों, टैक्सी, ऑटो (विक्रम) आदि से यहाँ पर आसानी से पहुंचा जा सकता हैं। मेले में सभी के लिए प्रवेश निशुल्क है।

मौसम

देहरादून शहर अच्छी जलवायु के लिए जाना जाता है। मार्च में, देहरादून शहर का औसत उच्च तापमान 26^0C रहता है तथा 57 औसत आर्द्रता के साथ औसत न्यूनतम तापमान 12^0C रहता है। मार्च महीने में दिन का समय औसत 12 घंटे का होता है।